

उत्तर प्रदेश शासन
संस्थागत वित्त, कर एवं निकाशन अनुभाग-2
संख्या -काणि०-२-६४५प्रायारह -७(२९५)०७-उप्र. वैट नियमावली -०८-आदेश-(११५)-२०१४
लखनऊःदिनांक २७ जून, २०१४

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1, सन् 1904) की धारा 21 के साथ पठित उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2008 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 5, सन् 2008) की धारा 79 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2008 को संशोधित करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :

चूंकि राज्यपाल का यह समाधान हो गया है कि ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान हैं, जिनके कारण उन्हें तुरन्त कार्यवाही करनी आवश्यक हो गयी है, अतएव राज्यपाल अग्रतर उक्त अधिनियम की धारा 79 की उपधारा (3) के परन्तुके के अधीन बिना पूर्व प्रकाशन के उपर्युक्त नियमावली बनाते हैं :-

उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर (पंचम संशोधन) नियमावली, 2014

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ	1	<p>(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर (पंचम संशोधन) नियमावली, 2014 कही जाएगी।</p> <p>(2) यह गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रवृत्त होगी।</p>	
नियम 2 का संशोधन	2	<p>उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2008 जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है, में नियम 2 में, उपनियम(1) में,-</p> <p>(क) नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान खण्ड (ग) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये खण्ड रख दिये जायेंगे, अर्थात् :-</p>	
स्तम्भ-1 विद्यमान खण्ड		स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड	
		<p>(ग) 'कर निर्धारक प्राधिकारी' के अन्तर्गत निम्नलिखित होंगे :-</p> <p>(एक) राज्य सरकार द्वारा किसी कारपोरेट मण्डल में कर निर्धारक अधिकारी के कृत्यों का निर्वहन एवं शक्तियों का प्रयोग करने हेतु नियुक्त एवं तैनात संयुक्त कमिश्नर (कर निर्धारण)</p> <p>(दो) राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अथवा राज्य सरकार द्वारा या कमिश्नर द्वारा तैनात उप कमिश्नर या सहायक कमिश्नर अथवा कमिश्नर द्वारा नियुक्त एवं तैनात वाणिज्य कर अधिकारी</p> <p>(क) किसी मण्डल में कर निर्धारक प्राधिकारी</p>	<p>(ग) 'कर निर्धारक प्राधिकारी' के अन्तर्गत निम्नलिखित होंगे :-</p> <p>(एक) राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एवं तैनात संयुक्त कमिश्नर -</p> <p>(क) किसी कारपोरेट मण्डल में कर निर्धारण प्राधिकारी के कृत्यों का निर्वहन एवं शक्तियों का प्रयोग करने हेतु;</p> <p>(ख) अधिनियम और उसके लिए बनायी गयी नियमावली के अधीन विभाग की सम्परीक्षा शाखा में कर सम्परीक्षा सम्पादित करने हेतु;</p> <p>(दो) राज्य सरकार द्वारा नियुक्त और राज्य</p>

		<p>के कृत्यों का निर्वहन अथवा शक्तियों का प्रयोग उस मण्डल में करने हेतु;</p> <p>(ब) विभाग के किसी कार्यालय में, नियम 5 में प्रदत्त अधिकार के अन्तर्गत, धारा-45, 48, एवं 49 की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु;</p>	<p>सरकार अथवा कमिशनर द्वारा तैनात उप कमिशनर या सहायक कमिशनर अथवा कमिशनर द्वारा नियुक्त एवं तैनात वाणिज्य कर अधिकारी -</p> <p>(क) किसी मण्डल में कर निर्धारक प्राधिकारी के कृत्यों का निर्वहन एवं शक्तियों का प्रयोग उस मण्डल में करने हेतु;</p> <p>(ख) विभाग के किसी कार्यालय में नियम 5 में प्रदत्त अधिकार के अन्तर्गत धारा 45, 48 एवं 49 की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु;</p> <p>(ग) अधिनियम एवं उसके लिए बनायी गयी नियमावली के उपबन्धों के अनुसार विभाग की सम्परीक्षा शाखा में कर सम्परीक्षा सम्पादित करने हेतु।</p>				
		<p>(ख) नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये खण्ड (ड) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात्:-</p>	<table border="1"> <thead> <tr> <th>स्तम्भ-1</th> <th>स्तम्भ-2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>विद्यमान खण्ड</td> <td>एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड</td> </tr> </tbody> </table>	स्तम्भ-1	स्तम्भ-2	विद्यमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड
स्तम्भ-1	स्तम्भ-2						
विद्यमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड						
		<p>(ड)"लेखाकार" का तात्पर्य चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट अधिनियम 1949 में यथा परिभाषित चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट अथवा केन्द्रीय राजस्व बोर्ड से इस निमित्त मान्यता प्राप्त लेखाकार सहयोजन का सदस्य</p>	<p>(ड) "लेखाकार" का तात्पर्य चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट अधिनियम 1949 में यथा परिभाषित चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट अथवा केन्द्रीय राजस्व बोर्ड से इस निमित्त मान्यता प्राप्त लेखाकार सहयोजन का सदस्य और इसके अन्तर्गत कम्पनी सेक्रेटरीज एक्ट, 1980 में यथा परिभाषित कम्पनी सेक्रेटरी तथा कॉस्ट एवं वर्क्स एकाउन्टेन्ट अधिनियम, 1959 में यथा परिभाषित कास्ट एकाउन्टेन्ट सम्मिलित होंगे।</p>				
नियम 20 का संशोधन	3	<p>उक्त नियमावली में, नियम 20 में उपनियम (1) में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान खण्ड (ग) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात्:-</p>	<table border="1"> <thead> <tr> <th>स्तम्भ-1</th> <th>स्तम्भ-2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>विद्यमान खण्ड</td> <td>एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड</td> </tr> </tbody> </table>	स्तम्भ-1	स्तम्भ-2	विद्यमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड
स्तम्भ-1	स्तम्भ-2						
विद्यमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड						
		<p>(ग) प्रत्येक कर निर्धारण वर्ष की अन्तिम दिनांक में अवशेष अन्तिम रहतिया,</p>	<p>(ग) प्रत्येक कर निर्धारण वर्ष के अन्तिम दिनांक में अवशेष</p>				

		व्यापार के आवर्त एवं कर के वार्षिक रिटर्न के साथ	अन्तिम रहतिया, आवर्त एवं कर के समेकित विवरणों के अनुलग्नकों के साथ।				
नियम 21 का संशोधन	4	<p>उक्त नियमावली में, नियम 21में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान उपनियम (2) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा ,अर्थात :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>स्तम्भ-1</th> <th>स्तम्भ-2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>विद्यमान उपनियम</td> <td>एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम</td> </tr> </tbody> </table> <p>(2) उन वस्तुओं के संबंध में जिन्हें :-</p> <p>(क) प्रान्त बाहर बिक्री न करके अन्य प्रकार से प्रान्त बाहर उसी रूप एवं दशा में पारेषित किया गया है , जिस रूप व दशा में खरीदा गया था ;</p> <p>(ख) किसी ऐसे करयोग्य माल के निर्माण या प्रसंस्करण अथवा ऐसी वस्तु की पैकिंग में प्रयोग या खपत हुआ हो, जिसे प्रान्त बाहर बिक्री न करके अन्य प्रकार से प्रान्त बाहर पारेषित किया गया हो,</p> <p>सूत्र {पी x आर/100} का प्रयोग करके इन्युट टैक्स क्रेडिट के आशिक भाग का लाभ दिया जाना अनुमन्य नहीं है :-</p> <p>जहाँ :-</p> <p>(एक) "पी" का तात्पर्य पारेषित की गई, या प्रयुक्त या खपत की गई वस्तु का क्रय मूल्य है।</p> <p>(दो) "आर" कर की वह दर जो उन वस्तुओं पर लागू है जिन पर एक्ट के अन्तर्गत 4 प्रतिशत से कम कर है अथवा अन्य मामलों में 4 प्रतिशत के बराबर होगा ।</p>	स्तम्भ-1	स्तम्भ-2	विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम	<p>(2) उन वस्तुओं के संबंध में जिन्हें :-</p> <p>(क) प्रान्त बाहर बिक्री न करके अन्य प्रकार से प्रान्त बाहर उसी रूप एवं दशा में पारेषित किया गया है , जिस रूप व दशा में खरीदा गया था ;</p> <p>(ख) किसी ऐसे करयोग्य माल के निर्माण या प्रसंस्करण अथवा ऐसी वस्तु की पैकिंग में प्रयोग या खपत हुआ हो, जिसे प्रान्त बाहर बिक्री न करके अन्य प्रकार से प्रान्त बाहर पारेषित किया गया हो,</p> <p>सूत्र {पी x आर/100} का प्रयोग करके इन्युट टैक्स क्रेडिट के आशिक भाग का लाभ दिया जाना अनुमन्य नहीं है :-</p> <p>जहाँ :-</p> <p>(एक) "पी" का तात्पर्य पारेषित की गई, या प्रयुक्त या खपत की गई वस्तु का क्रय मूल्य है।</p> <p>(दो) "आर" वह दर है जो केन्द्रीय बिक्रीकर अधिनियम, 1956 की धारा 8 की उपधारा (1) में प्राविधिकीय है।</p>
स्तम्भ-1	स्तम्भ-2						
विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम						
नियम 22 का संशोधन	5	<p>उक्त नियमावली में, नियम-22 में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान उपनियम (3) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा ,अर्थात :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>स्तम्भ-1</th> <th>स्तम्भ-2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>विद्यमान उपनियम</td> <td>एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम</td> </tr> </tbody> </table>	स्तम्भ-1	स्तम्भ-2	विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम	
स्तम्भ-1	स्तम्भ-2						
विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम						

		<p>(3) किसी वस्तु की ऐसी मात्रा या माप, जिसे व्यापारी ने प्रान्त के बाहर बिक्री न करके अन्य प्रकार से प्रान्त बाहर पारेखित किया है, पर उत्क्रमित इन्पुट टैक्स की गणना निम्न सूत्र से की जाएगी :-</p> <p style="text-align: center;">पी ५ आर 100</p> <p>जिसमें प्रान्त के बाहर पारेखित किये गये माल की मात्रा एवं माप के संदर्भ में :-</p> <p>(एक) "पी" का तात्पर्य टैक्स इनवाइस अथवा खरीद के बीजक के अनुसार उस क्रय मूल्य से है जिस पर क्रेता से कर वसूल किया गया है और इस सम्पूर्ण इन्पुट टैक्स की पूरी-पूरी धनराशि का इन्पुट टैक्स क्रेडिट लिया गया है।</p> <p>(दो) "आर" वह दर है जो केन्द्रीय बिक्रीकर अधिनियम 1956 की धारा-४ की उपधारा (1) में प्राविधिकीय है।</p>	<p>(3) किसी वस्तु की ऐसी मात्रा या माप, जिसे व्यापारी ने प्रान्त के बाहर बिक्री न करके अन्य प्रकार से प्रान्त बाहर पारेखित किया है, पर उत्क्रमित इन्पुट टैक्स की गणना निम्न सूत्र से की जाएगी :-</p> <p style="text-align: center;">पी ५ आर 100</p> <p>जिसमें प्रान्त के बाहर पारेखित किये गये माल की मात्रा एवं माप के संदर्भ में :-</p> <p>(एक) "पी" का तात्पर्य टैक्स इनवाइस अथवा खरीद के बीजक के अनुसार उस क्रय मूल्य से है जिस पर क्रेता से कर वसूल किया गया है और इस सम्पूर्ण इन्पुट टैक्स की पूरी-पूरी धनराशि का इन्पुट टैक्स क्रेडिट लिया गया है।</p> <p>(दो) "आर" वह दर है जो केन्द्रीय बिक्रीकर अधिनियम 1956 की धारा-४ की उपधारा (1) में प्राविधिकीय है।</p>						
नियम 32 का संशोधन	6	<p>उक्त नियमावली में नियम 32 में, उपनियम (2) में नीचे स्तम्भ में दिया गया विद्यमान खण्ड (घ) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात् :-</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="text-align: center; padding: 2px;">स्तम्भ -1</th> <th style="text-align: center; padding: 2px;">स्तम्भ-2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="text-align: center; padding: 2px;">विद्यमान खण्ड</td> <td style="text-align: center; padding: 2px;">एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड</td> </tr> <tr> <td style="text-align: center; padding: 2px;">(घ) बैंक पास बुक</td> <td style="text-align: center; padding: 2px;">(घ) बैंक पासबुक, जिसमें खाताधारक की लगी हुई फोटो को संबंधित बैंक की शाखा प्रबन्धक द्वारा सत्यापित किया गया हो।</td> </tr> </tbody> </table>	स्तम्भ -1	स्तम्भ-2	विद्यमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड	(घ) बैंक पास बुक	(घ) बैंक पासबुक, जिसमें खाताधारक की लगी हुई फोटो को संबंधित बैंक की शाखा प्रबन्धक द्वारा सत्यापित किया गया हो।	
स्तम्भ -1	स्तम्भ-2								
विद्यमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड								
(घ) बैंक पास बुक	(घ) बैंक पासबुक, जिसमें खाताधारक की लगी हुई फोटो को संबंधित बैंक की शाखा प्रबन्धक द्वारा सत्यापित किया गया हो।								
नियम 32 का संशोधन	7	<p>(1) उक्त नियमावली में नियम 32 (क) में-</p> <p>(क) उपनियम (2) में नीचे स्तम्भ-1 में दिया गया विद्यमान खण्ड (घ) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया गया खण्ड रख दिया जायेगा , अर्थात्-</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="text-align: center; padding: 2px;">स्तम्भ -1</th> <th style="text-align: center; padding: 2px;">स्तम्भ-2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="text-align: center; padding: 2px;">वर्तमान खण्ड</td> <td style="text-align: center; padding: 2px;">एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड</td> </tr> </tbody> </table>	स्तम्भ -1	स्तम्भ-2	वर्तमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड			
स्तम्भ -1	स्तम्भ-2								
वर्तमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड								

		(घ) बैंक पास बुक	(घ) बैंक पासबुक, जिसमें खाताधारक की लगी हुई फोटो को संबंधित बैंक की शाखा प्रबन्धक द्वारा सत्यापित किया गया हो ।
		(ख) नीचे स्तम्भ-1में दिया गया विद्यमान उपनियम (12) के स्थान पर स्तम्भ-2में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा, अर्थात्-	
		स्तम्भ -1	स्तम्भ -2
		विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम
		(12) आकस्मिक व्यवहारी के पंजीयन एवं आवेदन प्रार्थना-पत्र के निस्तारण की प्रक्रिया से संबंधित निर्देश कमिश्नर, वाणिज्य कर द्वारा समय-समय पर जारी किया जा सकता है ।	(12) कमिश्नर वाणिज्य कर समय-समय पर आकस्मिक व्यवहारी द्वारा पंजीयन प्रार्थनापत्र के आन-लाइन प्रस्तुत करने की कार्य प्रणाली तथा इस नियम के अन्तर्गत पंजीयन प्रार्थना पत्र तथा पंजीयन से संबंधित अन्य मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया के अनुपालन से संबंधित निर्देश जारी कर सकते हैं ।
नियम 37 का संशोधन	8	उक्त नियमावली में, नियम-37 में नीचे स्तम्भ-1 में दिया गया विद्यमान उपनियम-2 के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिये गये उपनियम रख दिये जायेंग, अर्थात्-	
		स्तम्भ -1	स्तम्भ -2
		विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम
		(2) उपनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी व्यवहारी अपने विकल्प पर धारा 19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत मांगी गयी जमानत निम्नलिखित में से किसी स्वरूप में दे सकता है :- (क) नकद धनराशि जमा करके ; या (ख) किसी शेडयूल्ड बैंक की बैंक गारण्टी देकर ; या (ग) सावधि जमा प्रमाण पत्र बंधक रखकर ; या (घ) राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र या भारतीय पोस्टल सेवा के द्वारा जारी कोई अन्य बचत प्रमाण पत्र बंधक रखकर ।	(2) उपनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी व्यवहारी, अपने विकल्प पर धारा 19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत मांगी गयी जमानत निम्नलिखित में से किसी स्वरूप में दे सकता है :- (क) नकद धनराशि जमा करके ; या (ख) किसी शेडयूल्ड बैंक की बैंक गारण्टी देकर ; या (ग) सावधि जमा प्रमाण पत्र बंधक रखकर ; या (घ) राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र या भारतीय पोस्टल सेवा के द्वारा जारी कोई अन्य बचत प्रमाण पत्र बंधक रखकर । (2-क) इस नियम के उद्देश्य के लिए समय-समय पर कमिश्नर वाणिज्य कर बन्धक के किसी अन्य तरीके, जैसा कि वह उचित समझे, विचार कर सकते हैं ।

नियम 42 का संशोधन	9	उक्त नियमावली में नियम 42 में नीचे स्तम्भ-1 में दिया गया विद्यमान उपनियम (1) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा ,आर्थातः-		
		<table border="1"> <thead> <tr> <th style="text-align: center;">स्तम्भ -1</th> <th style="text-align: center;">स्तम्भ -2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="text-align: center;">विद्यमान उपनियम</td><td style="text-align: center;">एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम</td></tr> </tbody> </table> <p>(1) धारा-21 की उपधारा (17) में निर्दिष्ट सम्परीक्षा आख्या (आडिट रिपोर्ट) उस उपधारा में निर्दिष्ट व्यवहारी द्वारा अपने कर निर्धारक प्राधिकारी को धारा 24 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट कर एवं आवर्त की वार्षिक विवरणी सहित फार्म-तेईस में प्रस्तुत की जायेगी ।</p>	स्तम्भ -1	स्तम्भ -2
स्तम्भ -1	स्तम्भ -2			
विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम			
नियम 45 का संशोधन	10	उक्त नियमावली में, नियम 45 में, - (क) नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान उपनियम (7) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा ,आर्थातः-		
		<table border="1"> <thead> <tr> <th style="text-align: center;">स्तम्भ -1</th> <th style="text-align: center;">स्तम्भ -2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="text-align: center;">विद्यमान उपनियम</td><td style="text-align: center;">एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम</td></tr> </tbody> </table> <p>(7) कर के भुगतान का दायी प्रत्येक व्यवहारी उपनियम (2) अथवा उपनियम (10) के अधीन दखिल की गयी कर की विवरणी के अतिरिक्त 31 अक्टूबर या उसके पूर्व अपने पूर्ववर्ती वर्ष के आवर्त एवं कर की वार्षिक विवरणी निम्न प्रकार प्रस्तुत करेगा- (क) प्रान्तीय खरीद बिक्री के मामले में प्रपत्र XXVI-A में (ख) वर्क्स कान्ट्रैक्ट के मामले में प्रपत्र XXVI-B में (ग) उपर्युक्त के एवं ख के अतिरिक्त अन्य मामलों में प्रपत्र XXVI में कर निर्धारण वर्ष की कार्यवाही के लिए सभी धोषित प्रपत्र एवं प्रमाण-पत्र की मूल प्रति सहित जिसके आधार पर छूट अथवा रियायत का दावा किया जा रहा है अथवा जिससे संव्यवहार का स्वभाव की जांच होनी, साथ में प्रपत्र के अनुलग्नक को दखिल किया जायेगा ; प्रतिबन्ध यह है कि कर निर्धारण वर्ष 2007-08 के लिए वार्षिक रिटर्न 31 मार्च 2009 तक प्रस्तुत</p> <p>(7) कर के भुगतान का दायी प्रत्येक व्यवहारी वित्तीय वर्ष की अपनी अंतिम विवरणी के साथ परन्तु अनुवर्ती वित्तीय वर्ष के 31 अक्टूबर के पूर्व ऐसे वित्तीय वर्ष के आवर्त एवं कर के समेकित विवरणों के अनुलग्नकों को कर निर्धारक प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगा । (क) नीचे खण्ड(ख) तथा खण्ड(ग) में निर्दिष्ट व्यवहारी से भिन्न व्यवहारी के मामले में फार्म 52 में; (ख) केवल प्रान्तीय खरीद बिक्री करने वाले व्यवहारी फार्म 52-क में ; (ग) वर्क्स कान्ट्रैक्ट या ट्रांसफर आफ राइट टू यूज एनी गुड्स या दोनों जैसी भी स्थिति हो निष्पादित करने वाला व्यवहारी फार्म 52-ख में ; पूर्ववर्ती निर्धारण वर्ष के लिए सभी</p>	स्तम्भ -1	स्तम्भ -2
स्तम्भ -1	स्तम्भ -2			
विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम			
नियम 42 का संशोधन	9	उक्त नियमावली में नियम 42 में नीचे स्तम्भ-1 में दिया गया विद्यमान उपनियम (1) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा ,आर्थातः-		
		<table border="1"> <thead> <tr> <th style="text-align: center;">स्तम्भ -1</th> <th style="text-align: center;">स्तम्भ -2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="text-align: center;">विद्यमान उपनियम</td><td style="text-align: center;">एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम</td></tr> </tbody> </table> <p>(1) धारा-21 की उपधारा (17) में निर्दिष्ट सम्परीक्षा आख्या (आडिट रिपोर्ट) उस उपधारा में निर्दिष्ट व्यवहारी द्वारा अपने कर निर्धारक प्राधिकारी को धारा 24 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट कर एवं आवर्त की वार्षिक विवरणी सहित फार्म-तेईस में प्रस्तुत की जायेगी ।</p>	स्तम्भ -1	स्तम्भ -2
स्तम्भ -1	स्तम्भ -2			
विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम			
नियम 45 का संशोधन	10	उक्त नियमावली में, नियम 45 में, - (क) नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान उपनियम (7) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा ,आर्थातः-		
		<table border="1"> <thead> <tr> <th style="text-align: center;">स्तम्भ -1</th> <th style="text-align: center;">स्तम्भ -2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="text-align: center;">विद्यमान उपनियम</td><td style="text-align: center;">एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम</td></tr> </tbody> </table> <p>(7) कर के भुगतान का दायी प्रत्येक व्यवहारी उपनियम (2) अथवा उपनियम (10) के अधीन दखिल की गयी कर की विवरणी के अतिरिक्त 31 अक्टूबर या उसके पूर्व अपने पूर्ववर्ती वर्ष के आवर्त एवं कर की वार्षिक विवरणी निम्न प्रकार प्रस्तुत करेगा- (क) प्रान्तीय खरीद बिक्री के मामले में प्रपत्र XXVI-A में (ख) वर्क्स कान्ट्रैक्ट के मामले में प्रपत्र XXVI-B में (ग) उपर्युक्त के एवं ख के अतिरिक्त अन्य मामलों में प्रपत्र XXVI में कर निर्धारण वर्ष की कार्यवाही के लिए सभी धोषित प्रपत्र एवं प्रमाण-पत्र की मूल प्रति सहित जिसके आधार पर छूट अथवा रियायत का दावा किया जा रहा है अथवा जिससे संव्यवहार का स्वभाव की जांच होनी, साथ में प्रपत्र के अनुलग्नक को दखिल किया जायेगा ; प्रतिबन्ध यह है कि कर निर्धारण वर्ष 2007-08 के लिए वार्षिक रिटर्न 31 मार्च 2009 तक प्रस्तुत</p>	स्तम्भ -1	स्तम्भ -2
स्तम्भ -1	स्तम्भ -2			
विद्यमान उपनियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम			

	<p>किया जा सकता है :</p> <p>अग्रेतर प्रतिबन्ध यह है कि कर निर्धारण अधिकारी उचित कारणों को अभिलिखित करते हुए ऐसे विवरण को दाखिल करने हेतु 90 दिन से अनधिक समयावधि इस उपनियम के अन्तर्गत निर्धारित अवधि से बढ़ा सकते हैं।</p> <p>अग्रेतर प्रतिबन्ध यह है कि कमिशनर या राज्य सरकार उचित कारणों को अभिलिखित करते हुए सामान्य आदेश द्वारा वार्षिक विवरणी जमा करने की अवधि इस उपनियम में निर्धारित अवधि से बढ़ा सकते हैं।</p>	<p>घोषित प्रपत्र एवं प्रमाण-पत्र की मूल प्रति सहित, जिसके आधार पर छूट अथवा रियायत का दावा किया जा रहा है अद्यक्ष जिससे संव्यवहार की प्रकृति निर्धारित हो साथ में वर्णित अनुलग्नकों को प्रासादिक रूप में दाखिल किया जायेगा;</p> <p>प्रतिबन्ध यह है कि कर निर्धारण अधिकारी उचित कारणों को अभिलिखित करते हुए, ऐसे समेकित विवरणों के अनुलग्नकों को दाखिल करने हेतु नव्वे दिन से अनधिक समयावधि इस उपनियम के अन्तर्गत निर्धारित अवधि से बढ़ा सकते हैं;</p> <p>अग्रेतर प्रतिबन्ध यह है कि कमिशनर या राज्य सरकार उचित कारणों को अभिलिखित करते हुए सामान्य आदेश द्वारा समेकित विवरणों के अनुलग्नकों को जमा करने की अवधि इस उपनियम में निर्धारित अवधि से बढ़ा सकते हैं।</p>						
	(ख) उपनियम (10) में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान खण्ड-(क) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया गया खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात् :-	<p>(ख) उपनियम (10) में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान खण्ड-(क) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया गया खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात् :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>स्तम्भ -1</th> <th>स्तम्भ -2</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>विद्यमान खण्ड</td> <td>एतद्द्वारा प्रतिस्थापित खण्ड</td> </tr> <tr> <td>(क) प्रत्येक व्यवहारी जिस पर धारा-6 की उपधारा (1) का प्रथम उपबंध लागू होता हो, वह प्रत्येक वैमासिक कर अवधि के समाप्त होने वाले दिन के अनुवर्ती दिन से प्रारम्भ होने वाली 20 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व कर की धनराशि निर्धारित रीति से जमा करेगा और ऐसे जमा का ट्रेजरी चालान कर निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत करेगा और उपनियम (7) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केवल वार्षिक विवरणी ही प्रस्तुत करेगा।</td> <td>(क) प्रत्येक व्यवहारी जिस पर धारा-6 की उपधारा (1) का प्रथम उपबंध लागू होता हो, वह प्रत्येक वैमासिक कर अवधि के समाप्त होने वाले दिन के अनुवर्ती दिन से प्रारम्भ होने वाली 20 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व कर की धनराशि निर्धारित रीति से जमा करेगा और ऐसे जमा का ट्रेजरी चालान कर निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत करेगा और उपनियम (7) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केवल समेकित विवरणों के अनुलग्नक ही प्रस्तुत करेगा;</td> </tr> </tbody> </table>	स्तम्भ -1	स्तम्भ -2	विद्यमान खण्ड	एतद्द्वारा प्रतिस्थापित खण्ड	(क) प्रत्येक व्यवहारी जिस पर धारा-6 की उपधारा (1) का प्रथम उपबंध लागू होता हो, वह प्रत्येक वैमासिक कर अवधि के समाप्त होने वाले दिन के अनुवर्ती दिन से प्रारम्भ होने वाली 20 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व कर की धनराशि निर्धारित रीति से जमा करेगा और ऐसे जमा का ट्रेजरी चालान कर निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत करेगा और उपनियम (7) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केवल वार्षिक विवरणी ही प्रस्तुत करेगा।	(क) प्रत्येक व्यवहारी जिस पर धारा-6 की उपधारा (1) का प्रथम उपबंध लागू होता हो, वह प्रत्येक वैमासिक कर अवधि के समाप्त होने वाले दिन के अनुवर्ती दिन से प्रारम्भ होने वाली 20 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व कर की धनराशि निर्धारित रीति से जमा करेगा और ऐसे जमा का ट्रेजरी चालान कर निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत करेगा और उपनियम (7) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केवल समेकित विवरणों के अनुलग्नक ही प्रस्तुत करेगा;
स्तम्भ -1	स्तम्भ -2							
विद्यमान खण्ड	एतद्द्वारा प्रतिस्थापित खण्ड							
(क) प्रत्येक व्यवहारी जिस पर धारा-6 की उपधारा (1) का प्रथम उपबंध लागू होता हो, वह प्रत्येक वैमासिक कर अवधि के समाप्त होने वाले दिन के अनुवर्ती दिन से प्रारम्भ होने वाली 20 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व कर की धनराशि निर्धारित रीति से जमा करेगा और ऐसे जमा का ट्रेजरी चालान कर निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत करेगा और उपनियम (7) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केवल वार्षिक विवरणी ही प्रस्तुत करेगा।	(क) प्रत्येक व्यवहारी जिस पर धारा-6 की उपधारा (1) का प्रथम उपबंध लागू होता हो, वह प्रत्येक वैमासिक कर अवधि के समाप्त होने वाले दिन के अनुवर्ती दिन से प्रारम्भ होने वाली 20 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व कर की धनराशि निर्धारित रीति से जमा करेगा और ऐसे जमा का ट्रेजरी चालान कर निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत करेगा और उपनियम (7) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केवल समेकित विवरणों के अनुलग्नक ही प्रस्तुत करेगा;							

नियम 50 का संशोधन	11	उक्त नियमावली में, नियम 50 में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान उपनियम (2) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-	
		स्तम्भ -1 विद्यमान उपनियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम
		(2) जहाँ किसी व्यवहारी या व्यक्ति (इस नियम में जिसे आगे प्राप्तकर्ता कहा जाएगा) को कोई धनराशि वापस की जानी है, तो उसे किसी बैंक जो कर, शुल्क या अर्थदण्ड या इस अधिनियम के अन्तर्गत कोई अन्य सदेय धनराशि स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत हो, को स्थानीय शाखा का नाम और पता देना होगा और वापसी देय हो जाने के दिनांक से 10 दिनों के भीतर वह बैंक की ऐसी स्थानीय शाखा में अपना बैंक खाता संख्या कर निर्धारक प्राधिकारी को देगा :	(2) जहाँ किसी व्यवहारी या व्यक्ति (इस नियम में जिसे आगे प्राप्तकर्ता कहा जाएगा) को कोई धनराशि वापस की जानी है, तो उसे किसी बैंक जो कर, शुल्क या अर्थदण्ड या इस अधिनियम के अन्तर्गत कोई अन्य सदेय धनराशि स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत हो, को स्थानीय शाखा या सीबीएस (कोर बैंकिंग सिस्टम) शाखा का नाम और पता देना होगा और वापसी देय हो जाने के दिनांक से 10 दिनों के भीतर वह बैंक की ऐसी स्थानीय शाखा में अपना बैंक खाता संख्या कर निर्धारक प्राधिकारी को देगा :
		प्रतिबन्ध यह है कि यदि प्राप्तकर्ता ने बैंक की स्थानीय शाखा का नाम और पता और बैंक की स्थानीय शाखा में अपनी बैंक खाता संख्या पहले से कर निर्धारक प्राधिकारी को दिया है तो ऐसे विवरण का पुनः दिया जाना आवश्यक नहीं होगा।	प्रतिबन्ध यह है कि प्राप्तकर्ता ने बैंक की स्थानीय शाखा या सीबीएस शाखा का नाम और पता और बैंक की स्थानीय शाखा या सीबीएस शाखा में अपना बैंक खाता संख्या पहले से कर निर्धारक प्राधिकारी को दिया है तो ऐसे विवरण का पुनः दिया जाना आवश्यक नहीं होगा।
नियम 62 का संशोधन	12	उक्त नियमावली में, नियम 62 में, उपनियम (4) में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान खण्ड-(ख) के स्थान पर स्तम्भ - 2 में दिया खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात् :-	
		स्तम्भ -1 विद्यमान खण्ड	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड
		(ख) अधिकरण द्वारा, जब तक कि वह धारा 57 की उपधारा (4) के अधीन उसे खारिज करने का निश्चय न करे।	(ख) अधिकरण द्वारा, जब तक कि वह धारा 57 की उपधारा (7) के अधीन उसे खारिज करने का निश्चय न करे।
कठिपय फार्म का निकाला	13	फार्म संख्या छब्बीस, छब्बीस-क एवं छब्बीस-ख को निकाल दिया जायेगा।	

जाना		
नये फार्म का बढ़ाया जाना	14	फार्म इक्यावन के पश्चात निम्नलिखित फार्म बढ़ा दिये जायेगे, अर्थात :-

फार्म-बावन

वाणिज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार
 (उपग्रहों मूल्य संवर्धित कर नियमावली 2008 के नियम 45 का उपनियम (7) देखें)
 समेकित विवरण के अनुलग्नक

1-	कर निर्धारण का								
2-	कर निर्धारण अवधि								से
3-	व्यवहारी / फर्म का नाम एवं पता								
4-	शाखा / डिपो का नाम एवं पता								
5-	करदाता की एहतान संख्या (टिन)								

अनुलग्नक-1									
वाणिज्य कर विभाग से प्राप्त लेखन पत्र या प्रमाणपत्र का व्याख्यक विवरण									
क्रमसंख्या	फार्म का नाम	आरम्भिक रहस्यमयी	प्राप्त		प्रयुक्त		खोजनाएं	वापस	अन्तिम रहस्यमयी
			संख्या	संख्या	संख्या	अच्छादित अन्तराली			
1	2	3	4	5(क)	5(ख)	6	7	8	
i	21								
ii	31								
iii	38								
iv	सभी								
v	एफ								
vi	एच								
vii	E-I								
viii	E-II								
ix.	ए								
x.	आई								
xi.	जे								
xii.	अन्य कोई कार्म								

नोट :- अनुलग्नक-(क) (ख), (ग), (घ) और (व) जो भी लागू हो - मे फलमों के विस्तृत विवरण को संलग्न करें।

अनुलग्नक - 2

खरीद का वार्षिक विवरण [रुपए में]

क्र.	वेट वस्तुएँ	योग :					
i.	निजी खाते में टैक्स बीजक के विरुद्ध खरीद	-					
ii.	पंजीकृत व्यवहारी से भिन्न व्यक्ति से निजी खाते में खरीद	-					
iii.	करमकृत वस्तुओं की खरीद	-					
iv.	उप्र. के बाहर से खरीद	-					
v.	निर्देशा के खाते में खरीद	-					
	(क) प्रान्तीय निर्देशा से						
	(क-i) टैक्स इन्वेस के विरुद्ध की गयी खरीद						
	(क-ii) अन्य खरीद						
	(ख) यू.पी. बाहर निर्देशा से						
vi.	अन्य कोई खरीद	-					
योग :							
vii.	क्रय वापसी घटाये	अनुलग्नक-1	-				
viii.	शुद्ध क्रय धनराशि	-					
ix.	नान वेट गुड्स						
i.	पंजीकृत व्यवहारी से खरीद	-					
ii.	पंजीकृत व्यवहारी से भिन्न व्यक्ति से खरीद	-					
iii.	करमकृत माल की खरीद	-					
iv.	उप्र. के बाहर से खरीद	-					
v.	निर्देशा के खाते में खरीद	-					
	(क) प्रान्तीय निर्देशा						
	(ख) यू.पी. बाहर निर्देशा						
vi.	अन्य कोई खरीद	-					
योग :							
vii.	क्रय वापसी घटाये	अनुलग्नक-ए-1	-				
viii.	शुद्ध क्रय धनराशि						
सकल योग :							
ix.	प्रान्त के अन्दर से कैपीटल गुड्स की खरीद						
i.	टैक्स बीजक के विरुद्ध खरीद	-					
ii.	पंजीकृत व्यवहारी से भिन्न व्यक्ति से खरीद	-					
योग :							
x.	कर्मीशन एजेंट के माध्यम से खरीद, जिसके लिए फार्म-VI प्राप्त हुआ						
क्रांति	प्रमाण पत्र संख्या	तिथि	क्रय माल का मूल्य	देयकर की राशि			
i.							
ii.							
iii.							
योग :							

*अनुलग्नक-ए-1 की सूचना फार्म-वॉल्यूम के साथ विविहत प्रोफेसन में दी जायगी।

इ-	प्रान्त बाहर से व्येषणापत्र / प्रमाण पत्र के विरुद्ध क्रय / प्राप्त माल का मूल्य					
(क)	फार्म-सी / फार्म-एच / फार्म-आई के विरुद्ध खरीद					
(ख)	फार्म-एक के विरुद्ध प्रान्त बाहर से प्राप्त माल का मूल्य	-				
	योग-	-				

नोट : 1. यदि मासिक / त्रैमासिक कर विवरणी में प्रवर्शित आंकड़ों से खरीद के विवरण में भिन्नता हो तो वरण पर उल्लेख किय जाये।

2. फार्म-सी / फार्म-एच / फार्म-आई के विरुद्ध खरीद के विवरण दिए जायें।

3. फार्म-एक के विरुद्ध प्राप्त माल के विवरण दिए जायें।

अनुलामक - 3

विक्री का वार्षिक विवरण :

(क) वैट ग्रहण

i.	विक्री खाते में विक्री का आवर्त टैक्स बीजक के विरुद्ध					
ii.	कालम ; से पिन विक्री खाते में विक्री का आवर्त	-				
iii.	करमकृत माल की विक्री का आवर्त	-				
iv.	निदेशा के खाते में विक्री					
	(क) प्रान्तीय निर्देशा					
	(क-i) टैक्स बीजक के विरुद्ध विक्री					
	(क-ii) अन्य विक्री					
	(b) यूपी बाहर निर्देशा					
v.	अन्तरप्रान्तीय विक्री फार्म-सी से	-				
vi.(क)	अन्तरप्रान्तीय विक्री फार्म-सी के विरुद्ध जिसके फार्म-सी संलग्न किए गए					
vi.(ख)	अन्तरप्रान्तीय विक्री जिसका फार्म-सी के विरुद्ध दाता किये गये परन्तु फार्म-सी संलग्न नहीं किये गये					
vii.	अन्तरप्रान्तीय विक्री विना फार्म-सी के	-				
viii.	भारत की सीमा के बाहर नियांत के छम मे नियांत के प्रमाण सहित विक्री					
vix.	भारत की सीमा के बाहर नियांत के छम मे विना नियांत के प्रमाण के विक्री					
x.	भारत की सीमा के बाहर से आयत के दौरान विक्री	-				
xI.	प्रान्त के बाहर की विक्री	-				
xii.	पारेषण विक्री / स्टाक ट्रान्सफर					
xiii.(क)	पारेषण विक्री / स्टाक ट्रान्सफर , जिसके फार्म-एक संलग्न किये गये					
xiii.(ख)	पारेषण विक्री / स्टाक ट्रान्सफर , जिसके फार्म-एक संलग्न नहीं किये गये					
xiv.	विना फार्म-एक के पारेषण विक्री / स्टाक ट्रान्सफर					
xv.(क)	केन्द्रीय विक्रीकर ओषधिनयम को धारा 6(2) के अन्तर्गत इन-ट्रॉजट विक्री का आवर्त					
xv.(ख)	केन्द्रीय विक्रीकर ओषधिनयम को धारा 6(2) के अन्तर्गत इन-ट्रॉजट विक्री का आवर्त जिसके फार्म-सी / इ-1 / इ-2 संलग्न किये गये					
xv.(ख)	केन्द्रीय विक्रीकर ओषधिनयम को धारा 6(2) के अन्तर्गत इन-ट्रॉजट विक्री का आवर्त जिसके फार्म-सी / इ-1 / इ-2 संलग्न नहीं किये गये					

xiv	फार्म-एच के विरुद्ध बिक्री				
xv(क)	फार्म-एच के विरुद्ध बिक्री जिसके फार्म एच सलग्न किये गये				
xv(ख)	फार्म-एच के विरुद्ध बिक्री जिसके फार्म एच सलग्न नहीं किये गये				
xvi	फार्म- I के विरुद्ध अन्तरप्रानीय बिक्री				
xvii	फार्म- I के विरुद्ध अन्तरप्रानीय बिक्री जिसके फार्म- I सलग्न किये गये				
xviii	फार्म- I के विरुद्ध बिक्री जिसके फार्म- I सलग्न नहीं किये गये				
xix	हाई सोब बिक्री का आवर्त				
xx.	फार्म-एफ से उ.प्र. के बाहर के जावर्क का आवर्त				
xxi.	बिना फार्म-एफ से उ.प्र. के बाहर के जावर्क का आवर्त				
xxii.	सकम सावध के लिए उ.प्र. के बाहर माल के स्वामत्व के अन्तरण कर आवर्त				
xxiii.	उ.प्र. के बाहर के व्यावसाय से माल के उपयोग के औधकार के अन्तरण से प्राप्त धनराशि का आवर्त				
xxiv	अन्य कोई बिक्री				
	योग :				
	घटाइये - बिक्री वापसी (अनुलग्नक बी-1)				
(ख)	बिक्री की शुद्ध धनराशि				
(ग)	नान वैट गहस				
(i)	करयोग्य बिक्री का आवर्त				
(ii)	करभूत बिक्री का आवर्त				
(iii)	टैक्सपेट बिक्री का आवर्त				
(iv)	निर्देश के खाते में बिक्री				
(क)	प्रानीय निर्देश				
(ख)	यू.पी. बाहर निर्देश				
(v)	अन्य कोई बिक्री				
	योग :				
	अन्तर प्रानीय करयोग्य बिक्री का आवर्त				
	अन्तर प्रानीय करभूत बिक्री का आवर्त				
	अन्य कोई केन्द्रीय बिक्री				
v.	घटाइये-बिक्री वापसी (अनुलग्नक बी-1)				
vi.	शुद्ध बिक्री की धनराशि				
	सकल योग :				

(ग) कमीशन एजेन्ट के माध्यम से की गयी बिक्री जिसके लिए फार्म- V में प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ

क्रमांक	प्रमाण पत्र संख्या	तिथि	बिक्रीत वस्तु का मूल्य	कर की चार्ट की गयी राशि
i.				
ii.				
iii.				
		योग		

नोट : मासिक / त्रैमासिक विवरणी में प्रदर्शित आंकड़ों से उपर्युक्त आंकड़ों में यदि भिन्नता है, तो कारण दिया जाये

* अनुलग्नक बी-1 की सूचना फार्म-चौबीस के साथ विहित प्रोफर्मा में दी जायेगी।

अनुलानक - ४

खरीद पर कर का समेकित आगामन

क्रमसंख्या	कर की दर	वस्तु	खरीद का अवर्त	कर
बैट गुह्य				
i.	1%			
ii.	4%			
iii.	12.5%			
अतिरिक्त कर				
iv.	1%			
v.	1.5%			
vi.	यदि अन्य कर की दर है, तो उससे ज्यादा करें।			
योग :				
नान बैट गुह्य				
vii.				
viii.				
ix.				
x.				
योग :				
सकल योग :				

अनुलानक - ५

विक्री पर कर का समेकित आगामन (प्रान्तीय)

क्रमसंख्या	कर की दर	वस्तु	विक्री की धनराशि	कर
बैट गुह्य				
i.	1%			
ii.	4%			
iii.	12.5%			
अतिरिक्त कर				
iv.	1%			
v.	1.5%			
vi.	यदि कर की दर अन्य है, तो उससे ज्यादा करें।			
योग :				
नान बैट गुह्य				
vii.				
viii.				
ix.				

1.				
2.				
योग :				
वैट तथा नानवैट का सकल योग :				

विक्री पर कर का समेकित आंगजन (अन्तरप्रान्तीय)

स्रोत	विवरण	कर की दर	विक्री की घनराशि	कर
1	फार्म-सी से अन्तरप्रान्तीय विक्री			
2	फार्म-सी से अनावृद्धित अन्तरप्रान्तीय विक्री			
1				
2				
3				
4				
3	अन्य करदार या अन्तरप्रान्तीय विक्री			
1				
2				
3				
4				

नोट- 1 : प्राप्त फार्म इक्षुपीस की सूची , ऐसे फार्म को प्रति सहित, संलग्न करे।

2 : फार्म-सी या अन्य कोई फार्म या प्रभाग पर , जिसके आधार पर किसी प्रकार की कर की छूट या रियादत का दावा किया गया है, वी सूची एवं ऐसे फार्म या प्रभाग पर सहित संलग्न किया जाए।

अनुलग्नक - 6

स्टाक का विवरण

इण्डेंट	वस्तु	आरम्भिक रहतिया (रूपये में)	अन्तम रहतिया (रूपये में)
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			

नोट - 1 : प्रान्तीय खरीद एवं उप. के बाहर से खरीद माल के स्टाक का विवरण पृष्ठक-पृष्ठक घोषित किया जाये।

2 : लागू कर की दर के हिसाब से वस्तुओं के संकलित विवरण एवं करमुक्त वस्तुओं के विवरण दिए जाये।

3 : निर्माता द्वारा कच्चे माल , छपत म्टोर आदि तथा तैयार माल के स्टाक का विवरण अलग-अलग घोषित किया जाये।

अनुलग्नक - 7

इनपुट टैक्स क्रेडिट का समेकित विवरण

इण्डेंट	विवरण	धनराशि
i.	गत कर निर्धारण वर्ष से लाई गई आई.टी.सी.	
ii.	कर निर्धारण वर्ष में अन्तिम आई.टी.सी.	(क) आई.टी.सी. की कृत धनराशि (i) नियम 24(क) के अनुसार पूँजी माल पर आई.टी.सी. (ii) पूँजी माल से पिछे अन्य माल पर आई.टी.सी. (ख) उन्नति आई.टी.सी. की धनराशि (ग) शुद्ध आई.टी.सी. की धनराशि (क-ख)
iii.	मकान अनुमन्य आई.टी.सी. (14ए)	
iv.	केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम के अन्तर्गत वत्तमान वर्ष में कर देय के विरुद्ध समायोजित आई.टी.सी.	
v.	उपर्युक्त संबोधित कर अधिनियम के अन्तर्गत वत्तमान वर्ष में कर देय के विरुद्ध समायोजित आई.टी.सी.	
vi.	उपर्युक्त व्यापार कर अधिनियम के अन्तर्गत बकाया के विरुद्ध समायोजित आई.टी.सी.	
vii.	अन्य किसी बकाया के विरुद्ध समायोजित आई.टी.सी.	
viii.	धारा-41 के अन्तर्गत वापस आई.टी.सी., यदि कोई हो	
ix.	धारा-15 (धारा 41 के अतिरिक्त) के अन्तर्गत वापस आई.टी.सी.	
x.	योग ((v+v1+v2+v3+v4+v5+v6+v7+v8+v9+v10+v11+v12+v13+v14+v15+v16+v17+v18+v19+v20+v21+v22+v23+v24+v25+v26+v27+v28+v29+v30+v31+v32+v33+v34+v35+v36+v37+v38+v39+v40+v41+v42+v43+v44+v45+v46+v47+v48+v49+v50+v51+v52+v53+v54+v55+v56+v57+v58+v59+v60+v61+v62+v63+v64+v65+v66+v67+v68+v69+v70+v71+v72+v73+v74+v75+v76+v77+v78+v79+v80+v81+v82+v83+v84+v85+v86+v87+v88+v89+v90+v91+v92+v93+v94+v95+v96+v97+v98+v99+v100+v101+v102+v103+v104+v105+v106+v107+v108+v109+v110+v111+v112+v113+v114+v115+v116+v117+v118+v119+v120+v121+v122+v123+v124+v125+v126+v127+v128+v129+v130+v131+v132+v133+v134+v135+v136+v137+v138+v139+v140+v141+v142+v143+v144+v145+v146+v147+v148+v149+v150+v151+v152+v153+v154+v155+v156+v157+v158+v159+v160+v161+v162+v163+v164+v165+v166+v167+v168+v169+v170+v171+v172+v173+v174+v175+v176+v177+v178+v179+v180+v181+v182+v183+v184+v185+v186+v187+v188+v189+v190+v191+v192+v193+v194+v195+v196+v197+v198+v199+v200+v201+v202+v203+v204+v205+v206+v207+v208+v209+v210+v211+v212+v213+v214+v215+v216+v217+v218+v219+v220+v221+v222+v223+v224+v225+v226+v227+v228+v229+v230+v231+v232+v233+v234+v235+v236+v237+v238+v239+v240+v241+v242+v243+v244+v245+v246+v247+v248+v249+v250+v251+v252+v253+v254+v255+v256+v257+v258+v259+v260+v261+v262+v263+v264+v265+v266+v267+v268+v269+v270+v271+v272+v273+v274+v275+v276+v277+v278+v279+v280+v281+v282+v283+v284+v285+v286+v287+v288+v289+v290+v291+v292+v293+v294+v295+v296+v297+v298+v299+v300+v301+v302+v303+v304+v305+v306+v307+v308+v309+v310+v311+v312+v313+v314+v315+v316+v317+v318+v319+v320+v321+v322+v323+v324+v325+v326+v327+v328+v329+v330+v331+v332+v333+v334+v335+v336+v337+v338+v339+v340+v341+v342+v343+v344+v345+v346+v347+v348+v349+v350+v351+v352+v353+v354+v355+v356+v357+v358+v359+v360+v361+v362+v363+v364+v365+v366+v367+v368+v369+v370+v371+v372+v373+v374+v375+v376+v377+v378+v379+v380+v381+v382+v383+v384+v385+v386+v387+v388+v389+v390+v391+v392+v393+v394+v395+v396+v397+v398+v399+v400+v401+v402+v403+v404+v405+v406+v407+v408+v409+v410+v411+v412+v413+v414+v415+v416+v417+v418+v419+v420+v421+v422+v423+v424+v425+v426+v427+v428+v429+v430+v431+v432+v433+v434+v435+v436+v437+v438+v439+v440+v441+v442+v443+v444+v445+v446+v447+v448+v449+v450+v451+v452+v453+v454+v455+v456+v457+v458+v459+v460+v461+v462+v463+v464+v465+v466+v467+v468+v469+v470+v471+v472+v473+v474+v475+v476+v477+v478+v479+v480+v481+v482+v483+v484+v485+v486+v487+v488+v489+v490+v491+v492+v493+v494+v495+v496+v497+v498+v499+v500+v501+v502+v503+v504+v505+v506+v507+v508+v509+v510+v511+v512+v513+v514+v515+v516+v517+v518+v519+v520+v521+v522+v523+v524+v525+v526+v527+v528+v529+v530+v531+v532+v533+v534+v535+v536+v537+v538+v539+v540+v541+v542+v543+v544+v545+v546+v547+v548+v549+v550+v551+v552+v553+v554+v555+v556+v557+v558+v559+v560+v561+v562+v563+v564+v565+v566+v567+v568+v569+v570+v571+v572+v573+v574+v575+v576+v577+v578+v579+v580+v581+v582+v583+v584+v585+v586+v587+v588+v589+v590+v591+v592+v593+v594+v595+v596+v597+v598+v599+v600+v601+v602+v603+v604+v605+v606+v607+v608+v609+v610+v611+v612+v613+v614+v615+v616+v617+v618+v619+v620+v621+v622+v623+v624+v625+v626+v627+v628+v629+v630+v631+v632+v633+v634+v635+v636+v637+v638+v639+v640+v641+v642+v643+v644+v645+v646+v647+v648+v649+v650+v651+v652+v653+v654+v655+v656+v657+v658+v659+v660+v661+v662+v663+v664+v665+v666+v667+v668+v669+v670+v671+v672+v673+v674+v675+v676+v677+v678+v679+v680+v681+v682+v683+v684+v685+v686+v687+v688+v689+v690+v691+v692+v693+v694+v695+v696+v697+v698+v699+v700+v701+v702+v703+v704+v705+v706+v707+v708+v709+v710+v711+v712+v713+v714+v715+v716+v717+v718+v719+v720+v721+v722+v723+v724+v725+v726+v727+v728+v729+v730+v731+v732+v733+v734+v735+v736+v737+v738+v739+v740+v741+v742+v743+v744+v745+v746+v747+v748+v749+v750+v751+v752+v753+v754+v755+v756+v757+v758+v759+v760+v761+v762+v763+v764+v765+v766+v767+v768+v769+v770+v771+v772+v773+v774+v775+v776+v777+v778+v779+v780+v781+v782+v783+v784+v785+v786+v787+v788+v789+v790+v791+v792+v793+v794+v795+v796+v797+v798+v799+v800+v801+v802+v803+v804+v805+v806+v807+v808+v809+v810+v811+v812+v813+v814+v815+v816+v817+v818+v819+v820+v821+v822+v823+v824+v825+v826+v827+v828+v829+v830+v831+v832+v833+v834+v835+v836+v837+v838+v839+v840+v841+v842+v843+v844+v845+v846+v847+v848+v849+v850+v851+v852+v853+v854+v855+v856+v857+v858+v859+v860+v861+v862+v863+v864+v865+v866+v867+v868+v869+v870+v871+v872+v873+v874+v875+v876+v877+v878+v879+v880+v881+v882+v883+v884+v885+v886+v887+v888+v889+v890+v891+v892+v893+v894+v895+v896+v897+v898+v899+v900+v901+v902+v903+v904+v905+v906+v907+v908+v909+v910+v911+v912+v913+v914+v915+v916+v917+v918+v919+v920+v921+v922+v923+v924+v925+v926+v927+v928+v929+v930+v931+v932+v933+v934+v935+v936+v937+v938+v939+v940+v941+v942+v943+v944+v945+v946+v947+v948+v949+v950+v951+v952+v953+v954+v955+v956+v957+v958+v959+v960+v961+v962+v963+v964+v965+v966+v967+v968+v969+v970+v971+v972+v973+v974+v975+v976+v977+v978+v979+v980+v981+v982+v983+v984+v985+v986+v987+v988+v989+v990+v991+v992+v993+v994+v995+v996+v997+v998+v999+v1000+v1001+v1002+v1003+v1004+v1005+v1006+v1007+v1008+v1009+v10010+v10011+v10012+v10013+v10014+v10015+v10016+v10017+v10018+v10019+v10020+v10021+v10022+v10023+v10024+v10025+v10026+v10027+v10028+v10029+v10030+v10031+v10032+v10033+v10034+v10035+v10036+v10037+v10038+v10039+v10040+v10041+v10042+v10043+v10044+v10045+v10046+v10047+v10048+v10049+v10050+v10051+v10052+v10053+v10054+v10055+v10056+v10057+v10058+v10059+v10060+v10061+v10062+v10063+v10064+v10065+v10066+v10067+v10068+v10069+v10070+v10071+v10072+v10073+v10074+v10075+v10076+v10077+v10078+v10079+v10080+v10081+v10082+v10083+v10084+v10085+v10086+v10087+v10088+v10089+v10090+v10091+v10092+v10093+v10094+v10095+v10096+v10097+v10098+v10099+v100100+v100101+v100102+v100103+v100104+v100105+v100106+v100107+v100108+v100109+v100110+v100111+v100112+v100113+v100114+v100115+v100116+v100117+v100118+v100119+v100120+v100121+v100122+v100123+v100124+v100125+v100126+v100127+v100128+v100129+v100130+v100131+v100132+v100133+v100134+v100135+v100136+v100137+v100138+v100139+v100140+v100141+v100142+v100143+v100144+v100145+v100146+v100147+v100148+v100149+v100150+v100151+v100152+v100153+v100154+v100155+v100156+v100157+v100158+v100159+v100160+v100161+v100162+v100163+v100164+v100165+v100166+v100167+v100168+v100169+v100170+v100171+v100172+v100173+v100174+v100175+v100176+v100177+v100178+v100179+v100180+v100181+v100182+v100183+v100184+v100185+v100186+v100187+v100188+v100189+v100190+v100191+v100192+v100193+v100194+v100195+v100196+v100197+v100198+v100199+v100100+v100101+v100102+v100103+v100104+v100105+v100106+v100107+v100108+v100109+v100110+v100111+v100112+v100113+v100114+v100115+v100116+v100117+v100118+v100119+v100120+v100121+v100122+v100123+v100124+v100125+v100126+v100127+v100128+v100129+v100130+v100131+v100132+v100133+v100134+v100135+v100136+v100137+v100138+v100139+v100140+v100141+v100142+v100143+v100144+v100145+v100146+v100147+v100148+v100149+v100150+v100151+v100152+v100153+v100154+v100155+v100156+v100157+v100158+v100159+v100160+v100161+v100162+v100163+v100164+v100165+v100166+v100167+v100168+v100169+v100170+v100171+v100172+v100173+v100174+v100175+v100176+v100177+v100178+v100179+v100180+v100181+v100182+v100183+v100184+v100185+v100186+v100187+v100188+v100189+v100190+v100191+v100192+v100193+v100194+v100195+v100196+v100197+v100198+v100199+v100100+v100101+v100102+v100103+v100104+v100105+v100106+v100107+v100108+v100109+v100110+v100111+v100112+v100113+v100114+v100115+v100116+v100117+v100118+v100119+v100120+v100121+v100122+v100123+v100124+v100125+v100126+v100127+v100128+v100129+v100130+v100131+v100132+v100133+v100134+v100135+v100136+v100137+v100138+v100139+v100140+v100141+v100142+v100143+v100144+v100145+v100146+v100147+v100148+v100149+v100150+v100151+v100152+v100153+v100154+v100155+v100156+v100157+v100158+v100159+v100160+v100161+v100162+v100163+v100164+v100165+v100166+v100167+v100168+v100169+v100170+v100171+v100172+v100173+v100174+v100175+v100176+v100177+v100178+v100179+v100180+v100181+v100182+v100183+v100184+v100185+v100186+v100187+v100188+v100189+v100190+v100191+v100192+v100193+v100194+v100195+v100196+v100197+v100198+v100199+v100100+v100101+v100102+v100103+v100104+v100105+v100106+v100107+v100108+v100109+v100110+v100111+v100112+v100113+v100114+v100115+v100116+v100117+v100118+v100119+v100120+v100121+v100122+v100123+v100124+v100125+v100126+v100127+v100128+v100129+v100130+v100131+v100132+v100133+v100134+v100135+v100136+v100137+v100138+v100139+v100140+v100141+v100142+v100143+v100144+v100145+v100146+v100147+v100148+v100149+v100150+v100151+v100152+v100153+v100154+v100155+v100156+v100157+v100158+v100159+v100160+v100161+v100162+v100163+v100164+v100165+v100166+v100167+v100168+v100169+v100170+v100171+v100172+v100173+v100174+v100175+v100176+v100177+v100178+v100179+v100180+v100181+v100182+v100183+v100184+v100185+v100186+v100187+v100188+v100189+v100190+v100191+v100192+v100193+v100194+v100195+v100196+v100197+v100198+v100199+v100100+v100101+v100102+v100103+v100104+v100105+v100106+v100107+v100108+v100109+v100110+v100111+v100112+v100113+v100114+v100115+v100116+v100117+v100118+v100119+v100120+v100121+v100122+v100123+v100124+v100125+v100126+v100127+v100128+v100129+v100130+v100131+v100132+v100133+v100134+v100135+v100136+v100137+v100138+v100139+v100140+v100141+v100142+v100143+v100144+v100145+v100146+v100147+v100148+v100149+v100150+v100151+v100152+v100153+v100154+v100155+v100156+v100157+v100158+v100159+v100160+v100161+v100162+v100163+v100164+v100165+v100166+v100167+v100168+v100169+v100170+v100171+v100172+v100173+v100174+v100175+v100176+v100177+v100178+v100179+v100180+v100181+v100182+v100183+v100184+v100185+v100186+v100187+v100188+v100189+v100190+v100191+v100192+v100193+v100194+v100195+v100196+v100197+v100198+v100199+v100100+v100101+v100102+v100103+v100104+v100105+v100106+v100107+v100108+v100109+v100110+v100111+v100112+v100113+v100114+v100115+v100116+v100117+v100118+v100119+v100120+v100121+v100122+v100123+v100124+v100125+v100126+v100127+v100128+v100129+v100130+v100131+v100132+v100133+v100134+v100135+v100136+v100137+v100138+v100139+v100140+v100141+v100142+v100143+v100144+v100145+v100146+v100147+v100148+v100149+v100150+v100151+v100152+v100153+v100154+v100155+v100156+v100157+v100158+v100159+v100160+v100161+v100162+v100163+v100164+v100165+v100166+v100167+v100168+v100169+v100170+v100171+v100172+v100173+v100174+v100175+v100176+v100177+v100178+v100179+v100180+v100181+v100182+v100183+v100184+v100185+v100186+v100187+v100188+v100189+v100190+v100191+v100192+v100193+v100194+v100195+v100196+v100197+v100198+v100199+v100100+v100101+v100102+v100103+v100104+v100105+v100106+v100107+v100108+v100109+v100110+v100111+v100112+v100113+v100114+v100115+v100116+v100117+v100118+v100119+v100120+v100121+v100122+v100123+v100124+v100125+v100126+v100127+v100128+v100129+v100130+v100131+v1	

अनुलालनक्र -४

बोरेशगार / बैंक में कर अवधि के विवरण के साथ जमा का समेकित विवरण

क्रमांक	माह	धनरक्षि	ट्रैजरी चालान संख्या	टिक्का	बैंक का नाम	बैंक खाता का नाम व पता
1	2	3	4	5	6	7
1	जून					
2	जुलाई					
3	अगस्त					
4	सितंबर					
5	अक्टूबर					
6	नवंबर					
7	दिसंबर					
8	जनवरी					
9	फरवरी					
10	मार्च					
11	चौथा					
12						

फार्म XXXIII-A में समायोजन का समेकित विवरण

क्रमांक	यह विसर्जन समायोजन किया गया	धनरक्षि	वर्त विसर्जन समायोजन किया गया	फार्म XXXIII-A की ओरेश संख्या व टिक्का
1	2	3	4	5

फार्म XXXI में स्रोत पर की गयी कटौती का समेकित विवरण

क्रमांक	संविदी का नाम एवं पता	स्रोत पर की गयी कटौती की धनरक्षि	फार्म XXXI का क्रमांक

अग्रसारित समेकित विवरण

१	विसेप वर्ष के दैरान अनुमति कारोबार से जल अधिक जल कर की छनराशि	
२	आगले वर्ष की अद्यतिवा कुल अर्बड़ी गी. की छनराशि	
३	विवाताधीन विलीय वर्ष तक क्रय किए गए पूर्ण भात पर मियम ३४(क) के अधीन विभिन्न आगले वर्षों में यह की जाने वाले आई टी. मी. की छनराशि	

घोषणा

मेरी..... पुत्राशुद्धीपत्नी प्रसिद्धि

(अर्पण- स्वामी, निदेशक, साहीदार जैसा कि नियम ३२ (६) में दिया गया है), पताद्वारा घोषणा करता / करती हूँ एवं
मान्याधिन करता / करती हूँ कि इस विवरण पद्धति में दिए गए विवरण एवं अंकड़े भेदी विवरण जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सही एवं पूर्ण हैं
तथा जानबूझकर न तो कोई तथ्य छिपाया गया है और न ही निष्पा प्रस्तुत किया गया है।

दिनांक :

साहीदार स्वामी / कर्तव्य अदि का नाम और इसका नाम:

स्वामी :

प्रसिद्धि:

जानबूझकर जा नाम :

नोट :

१. उत्तर प्रौद्योगिकी संवर्धित कर अधिनियम की खाता ३२(६) में अधिकृत नियमित द्वारा ही उपर्युक्त विवरण इसकारित होना चाहिए।

२. दूर्दि प्राप्त वा तात्काल में उपनक्षय जन्म हर्षण न हो तो सूचना नियमित प्राप्त्य में अलग शेट पर प्रस्तुत हो जा सकते हैं।

अनुलग्नक (क) वित्तीय वर्ष के दौरान उपयोग किये गये प्रान्तीय फार्म 38 / डी / ई/एफ का विवरण जो भी लागू हो :

क्रमसंख्या	विकेताप्रेषक का नाम	प्रपत्र 38 / प्रपत्र डी / ई / एफ की संख्या	बोलक / बिल / चालान की संख्या एवं दिनांक	वस्तु का नाम	वस्तु का मूल्य
1	2	3	4	5	6

अनुलग्नक - (ख) वित्तीय वर्ष में उपयोग किए गये केन्द्रीय प्रपत्र -सी / एच/ एच / आई का विवरण , जो लागू हो,

क्रमसंख्या	विकेताप्रेषक का नाम	प्रपत्र -सी / एक / एच / आई की संख्या	बोलक / बिल / चालान की संख्या एवं दिनांक	वस्तु का नाम	वस्तु का मूल्य
1	2	3	4	5	6

अनुलग्नक- (ग) उपयोग किये गये प्रान्तीय प्रपत्र - XXI & केन्द्रीय प्रपत्र - E-I and E-II एवं जे आदि का विवरण जो लागू हो

क्रमसंख्या	क्रेता का नाम	यथास्थिति क्रेता का टिन	प्रपत्र अपत्र - XXI की संख्या	प्रपत्र E-I , E-II आदि , फार्म- J की संख्या	बोलक / बिल / चालान की संख्या एवं दिनांक	वस्तु का नाम	वस्तु का मूल्य
1	2	3	4	5	6	7	8

अनुलग्नक (घ) कर निर्धारण वर्ष में उपयोग में लाए गये प्रमाण पत्र XXXI का विवरण

क्रमसंख्या	प्रमाण पत्र XXXI संख्या	ठेकेदार /विकेता का नाम व पता	ठेकेदार/विकेता का टिन	अद्य की गयी सकल धनराशि	मोत पर की गयी कटौती	झोत पर की गयी कटौती में से जमा की धनराशि	बैंककोषागार में जमा करने का दिनांक
1	2	3	4	5	6	7	8

अनुलालक (ई) प्रयुक्त किये गये औपसी रसैन्य का विवरण

ब्रह्मसी।	क्रेता का नाम	क्रेता का टिन	ओपसीरसैन्य नं।	संबंधित फार्म की संख्या , यदि कोई उपयोग में लाया गया हो	विल/चालान संख्या एवं दिनांक	वस्तु का नाम	वस्तु का मूल्य
1	2	3	4	5	6	7	8

फार्म- बावन- क
वाणिज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार
(30प्र०मूल्य संवर्धित कर नियमावली 2008 के नियम 45 का उपनियम (7) देखें)
समेकित विवरण के अनुलग्नक
(केवल उत्तर प्रदेश के अन्दर खरीद विक्री करने वाले व्यवहारियों के लिए)

1-	कर निर्धारण वर्ष					
2-	कर निर्धारण अवधि				से	
3-	व्यवहारी का नाम एवं पता					
4-	शास्त्रांजौ / डिपो के नाम एवं उनके पते					
5-	करदाता की पहचान संख्या [टिन]					

अनुलग्नक-1**खरीद के वार्षिक विवरण (रुपये में)**

क्र.सं	खरीद के विवरण	वैट गुइस (रुपये में)	नान वैट गुइस (रुपये में)	करमुक्त माल (रुपये में)	योग (रुपये में)
i-	प्रान्त अन्दर के ऐजीकूत व्यवहारी से				
ii-	प्रान्त अन्दर मेरे ऐजीकूत से भिन्न व्यक्ति से				
iii-	किसी अन्य उद्देश्य के लिए कोई अन्य खरीद				

नोट : मासिक / त्रैमासिक विवरणी में घोषित से भिन्न विवरण होने पर कारण दिये जाएं।

अनुलग्नक - 2**विक्री का वार्षिक विवरण (रुपए में)**

क्र.सं.	विक्री के विवरण	वैट गुइस (रुपये में)	नान वैट गुइस (रुपये में)	करमुक्त माल (रुपये में)	योग (रुपये में)
i-	प्रान्त अन्दर के ऐजीकूत व्यवहारी को				
ii-	प्रान्त के अन्दर ऐजीकूत व्यवहारी से भिन्न व्यक्ति को				
iii-	प्रान्त के अन्दर अन्य कोई विक्री				

नोट : मासिक / त्रैमासिक विवरणी में दिए गये विवरण से भिन्न विवरण होने पर कारण प्रस्तुत किये जाएं।

अनुलग्नक ३

स्टाक का विवरण

क्रमसंख्या	वस्तु	आरम्भिक रहतिया (रुपये में)	अन्तिम रहतिया (रुपये में)
१			
२			
३			
४			

नोट- कर की लागू दर के हिसाब से एवं करमुक्त वस्तुओं के समेकित विवरण दिए जायें।

अनुलग्नक-४

एजीकृत व्यवहारियों से फिल्म व्यक्तियों से की गयी खरीद पर देय कर का समेकित आंगण

क्रमसंख्या	वस्तु का नाम	खरीद का आवर्ती	कर की दर	कर की घनराशि
i-				
ii-				
iii-				
iv-				
v-				
वाम :				

अनुलग्नक-५

करयोग्य विक्री तथा विक्री पर देय कर का समेकित आंगण

क्रमसंख्या	वस्तु का नाम	नान वैट गुइस की विक्री का आवर्ती	वैट गुइस की विक्री का आवर्ती	कर की दर	कर की घनराशि
i-					
ii-					
iii-					
iv-					
अन्य					
वाम	गोग				

अनुलग्नक-६

आईटीसी० का समेकित विवरण

क्रमसंख्या०	विवरण	धनराशि
i-	गत वर्ष से अप्रेनित आईटीसी०	
ii-	कर निधारण वर्ष के दौरान अर्जित की गयी आईटीसी०	(क) आईटीसी० की कुल धनराशि
		(ख) उत्क्रमित आईटीसी० की राशि
		(ग) अर्जित आईटीसी० की शुद्ध राशि (क-ख)
iii-	सकल अनुमत्य आईटीसी० (i + ii)	
iv-	उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर में चालू वर्ष में देय कर के विरुद्ध समायोजित आईटीसी०	
v-	उपरोक्तापार कर में बकाया के विरुद्ध समायोजित आईटीसी०	
vi-	किन्ही अन्य देवों के विरुद्ध समायोजित आईटीसी०	
vii-	शारा 15 के अधीन (शारा 41 के अतिरिक्त) वापस आईटीसी०	
viii-	योग (iv + v + vi + vii)	
ix-	अवशेष आईटीसी० (iii-viii)	
x-	अगले वर्ष के लिए अप्रेनित आईटीसी०	

अनुलग्नक-७

कोषागार / बैंक में कर अवधि के विवरण के साथ जमा का समेकित विवरण

क्रमसंख्या०	माह	धनराशि	दोजाई चालान संख्या	दिनांक	बैंक का नाम	बैंक शाखा का नाम व पता
1	2	3	4	5	6	7
1	अप्रैल					
2	मई					
3	जून					
4	जुलाई					
5	आगस्त					
6	सितम्बर					
7	अक्टूबर					

८	नवम्बर						
९	दिसेम्बर						
१०	जनवरी						
११	फरवरी						
१२	मार्च						
	चौथा						

(ख) फार्म XXXIII-A में समायोजन का समेकित विवरण

क्रमसंख्या	माह जिसमें समायोजन किया गया	धनराशि	वर्ष जिससे समायोजन किया गया
१	२	३	४

(ग) वर्ष के दौरान जमा कुल कर

क्रमसंख्या	कोषागार/बैंक में जमा	समायोजन द्वारा जमा	चोग (२+३)
१	२	३	४

अनुलग्नक-४

शुद्ध देय कर का आगामन

देयकर	आईटी(सी) का समायोजन	शुद्ध देय कर	जमा / समायोजित कर	मंग / वापसी
१	२	३	४	५

घोषणा

मैं, पुत्र/पुत्री/पत्नी प्राप्तिशिति
 (अर्थात्- स्वामी, निदेशक, साक्षीदार जैसा कि नियम 32 (6) में दिया गया है), एतद्वारा घोषणा करता /
 करती हूँ एवं सत्यापित करता / करती हूँ कि इस विवरण पत्र में दिए गए विवरण एवं आंकड़े मेरी श्रेष्ठतम जानकारी एवं विश्वास के
 अनुसार सही एवं पूर्ण है तथा जानबूझकर न तो कोई तथ्य छिपाया गया है और न ही मिथ्या प्रस्तुत किया गया है।

दिनांक : साक्षीदार/ स्वामी / कर्ता आदि का नाम और हस्ताक्षर

स्थान : प्राप्तिशिति

व्यवहारी का नाम :

- नोट : 1- उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम की धारा 32(6) में अधिकृत व्यक्ति द्वारा ही उपर्युक्त विवरण हस्ताक्षरित सोना चाहिए।
 2- यदि किसी प्रारूप या तालिका में उपलब्ध जगह पर्याप्त न हो तो सूचना नियारित प्रारूप में अलग शीट पर प्रस्तुत की जा सकती है।

फार्म- बावन- ख

दाखिज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

(अप्र०मूल्य संवर्धित कर नियमावली २००८ के नियम ४५ का उपनियम (७) देखें)

समेकित विवरण के अनुलग्नक

(सकर्म संविदा / माल के उपयोग के अधिकार के अन्तरण हेतु)

१- कर निधिरप्त वर्ष							
२- कर निधिरप्त अवधि							
३- व्यवहारी / फार्म का नाम एवं पता							
४- शास्त्रियों का नाम एवं पता							
५- करदाता की पहचान नम्बर [टिन]							

अनुलग्नक-१

दाखिज्य कर विभाग से प्राप्त घोषणा पत्र या प्रमाण पत्र का वार्षिक विवरण

क्रमसंख्या	फार्म का नाम	आर्थिक रहितिया		प्रभाव	प्रयुक्ति		खोला / नष्ट	आधारित	अनियम रहितिया
		संख्या	संख्या		संख्या	आधारित धनराशि			
१	२	३	४	५(अ)	५(ब)		६	७	८
१	३१								
२	३८								
३	३९								
४	३९								
५	अन्य कोई फार्म								

नोट : अनुलग्नक (क) , (ख) ,(ग) आदि जो भी लागू है, मे फार्म के विस्तृत विवरण को संलग्न किया जाए।

अनुलग्नक-२

खुरीद का वार्षिक विवरण :

क्रमसंख्या	खुरीद का विवरण	पैट्रोइस (रुपये में)	नन वैटग्रृह्स (रुपये में)	करमुक्त माल (रुपये में)	दोग (रुपये में)
i-	अनन्त अन्दर के पञ्चोक्त व्यवहारी से				
ii-	अनन्त अन्दर के पञ्चोक्त व्यवहारी से भिन्न व्यक्ति से				
iii-	मारत के बहार से आयात के छान से				
iv-	माल के एक ग्रज्य से दूसरे ग्रज्य मे परिवहन के दौरान				
v-	अनन्तप्रान्तीय व्यापार या वाजिज्य के दौरान				
vi-	अन्य किसी उद्देश्य हेतु अन्य खुरीद				

नोट : मासिक/वैमासिक विवरणी मे घोषित विवरण से भिन्नता होने पर कारण का उल्लेख किया जाए।

अनुलग्नक-३

खुरीद के वार्षिक आवर्त पर कर का आग्रहन:

क्रमसंख्या	दस्तु का नाम	खुरीद का आवर्त	कर की दर	कर की धनराशि
i-				
ii-				
iii-				
iv-				
v-				
		दोग		

अनुलग्नक-४

माल के प्रयोग के अधिकार के अन्तरण के मामले में वार्षिक करयोग्य आवर्त का आंगठन

क्रमांक	विवरण	धनराशि
१-	सकल आवर्त	
२-	पटाखे : यदि सकल आवर्त में समिलित है :	
(i)	किसी करमूलत वस्तु के प्रयोग के अधिकार के हस्तान्तरण से प्राप्त होने वाली धनराशि	
(ii)	ऐसे हस्तान्तरण के उपरान्त उपयोगकर्ता व्यक्ति द्वारा वस्तु में किसी नुकसान होने या भुगतान में व्याप्तिक्रम किये जाने पर अद्विष्ट, क्षति की एवज में प्राप्त होने वाली धनराशि	
(iii)	किसी उद्देश्य के लिए वस्तु के प्रयोग का अधिकार हस्तान्तरण के अनुबन्ध या सहमति के फलस्वरूप वस्तु के हस्तान्तरण, परिदृश्य या आपूत की एवज में वद्देश्वर से पट्टाकर्ता की निम्न प्रकार की विक्री से प्राप्त होने वाली धनराशि है .. (एक) अन्तर्राज्यीय व्यापार या वाणिज्य के दैरान; (दो) प्रान्त के बाहर विक्री ; या (तीन) भारत की सीमा के बाहर निर्यात या भारत की सीमा के बाहर से आयात।	
(iv)	योग ((i)+(ii)+(iii))	
३-	करयोग्य आवर्त (१-४)	

अनुलग्नक-५

उद्योगसूचन संकरित कर अधिनियम 2008 के अधीन माल के प्रयोग के अधिकार के अन्तरण के मामले में कर का आंगठन

क्रमांक	वस्तु का नाम	करयोग्य आवर्त	कर की दर	कर की धनराशि
१-				
२-				
३-				
४-	योग			

अनुलग्नक-६

केन्द्रीय विक्रीकर अधिनियम 1956 के अन्तर्गत माल के प्रयोग के अधिकार के अन्तरण के मामले में कर का आंगठन

क्रमांक	वस्तु का नाम	करयोग्य आवर्त	कर की दर	कर की धनराशि
१-				
२-				
३-				
४-	योग			

अनुलग्नक-७

कार्य संविद के मामले में वार्षिक करयोग्य आवर्त का आंगठन

क्रमांक	विवरण	धनराशि
१-	प्राप्त अधिकार द्वारा होने वाली समस्त धनराशि	
२-	पटाखे यदि सकल आवर्त में समिलित है :-	
(i)	सकल कार्य संविद के निष्ठान में वस्तु हो गई वस्तुओं, जिनका अताव उपयोग के रूप में नहीं हुआ है, के मूल्य की समस्त धनराशि;	
(ii)	करमूलत वस्तुओं के वस्तु संविद मूल्य की समस्त धनराशि;	
(iii)	सकल कार्य संविद के निष्ठान हेतु भाड़े पर ली गई भरड़ीन एवं उपकरण पर भुगतान की गई अवधा भुगतान दोष भाड़ा की समस्त धनराशि;	

(iv)	मेंका और मदर्दी एवं इस पर लाभ को समस्त धनरक्षियों;
(v)	संकर्म कार्य संविधान के नियामन में अन्तर्राष्ट्र विकास बन्दुक का मूल्य विस्तार सम्पत्ति के रूप में अन्तर्राष्ट्र अन्तर्राजीय व्यापार या वित्तीय ये हुआ है;
(vi)	संकर्म कार्य संविधान के नियामन में अन्तर्राष्ट्र विकास बन्दुक का मूल्य विस्तार सम्पत्ति के रूप में अन्तर्राष्ट्र भारत की सीधा के बाहर विकास में ये धारणा की ओर आयी हो गई है;
(vii)	उन समस्त बन्दुओं का मूल्य विस्तार की विकासी के उपरान्त अंतर्राष्ट्र सम्पत्ति के रूप में बाहर हुआ है।
(viii)	संकर्म कार्य संविधान का नियामन करने वाला व्यवसायी, जो देशी कस्तुओं की सुरक्षा पर कर देते हैं विषय स्थवर वर्षी, के हारा प्रदान के भीतर से खारीदे गये जान वैट गुड्स की समस्त धनरक्षियों;
(ix)	व्यवहारी हारा वैटकूल व्यापारी से सुरक्षीय गयी मान वैट बन्दुओं के मूल्य की समस्त धनरक्षियः
(x)	संविधानी द्वारा मजदूर उत्पादक करने एवं मेंका प्रस्तुत करने से संबंधित व्यापार का सुरक्षा और इस प्रकार के अन्य छोड़े, एवं इन पर लाभ की धनरक्षियः
(xi)	कार्य संविधान ने उप-संविधानकर के अन्य सभी धनरक्षिय, जहाँ उप-संविधानकर के कर नियारिय अधिकारी से ज्ञान किया गया प्राप्त एवं प्रस्तुत किया जाये जिसमें यह संतोषित हो कि:- (i) अधिनियम के अधीन उप-संविधानकर वैटकूल व्यवहारी है। (ii) उप-संविधानकर द्वारा प्राप्तिकार अवधि के विवरणी में आवर्त को घोषित किया है तथा अधिनियम के अधीन कर जमा किया है।
3.	योग (2 का ; मे xi)
4.	उप-मूल्य संवर्धित कर अधिनियम 2008 के अधीन शुद्ध करदोष आवर्त (1 - 3)

नोट : मासिक वैभवसिक विवरणी में प्रदर्शित विवरण से भिन्नता होने पर कारण दिल जाये।

अनुलग्नक-४

दार्शनिक संवर्धित कर अधिनियम के अन्तर्गत कार्य सविष्य में बिझु के आवर्त पर कर का अग्रणी

क्रमांक	वस्तु का नाम	बिलों का कारबोग्य आवर्त	कर की दर	कर की धनरक्षण
I-				
II-				
III-				
IV-				
	सामग्री :			

अनुलिपि-९

केन्द्रीय विकासिकरण अधिनियम के अन्तर्गत कार्य संचित में बिजली के आवर्त पर कर का अंगठन

क्रमांक	वस्तु का नाम	आवर्त का विवरण	आवर्त	कर की दर	कर की घनराशि
i-					
ii-					
iii-					
iv-					
योग :					

अनुलाभक्र-10

वर्ष में देय सम्पर्क कर

प्रकार	विवरण	घटनाएँ
i.	न्युरोइट के आवाहन पर कर	
ii.	प्रस्तुति में कार्ड संविद्य के निष्पत्तन में माल के स्वामित्व के अन्तराज के आवाहन पर कर	
iii.	प्रस्तुति में किसी माल के प्रौद्योगिक अधिकार के अन्तराज के आवाहन पर कर	
iv.	किसी अन्य प्रानांश विक्री पर कर	
v.	कार्ड-विक्री कर अधिनियम के अन्तर्गत अनारप्रानीय विक्री के कानूनव्यवय कार्ड संविद्य के निष्पत्तन में माल के स्वामित्व अन्तराज के आवाहन पर कर	
vi.	कार्ड-विक्रीकर अधिनियम 1956 के अन्तर्गत अनारप्रानीय विक्री के कानूनव्यवय किसी माल के प्रौद्योगिक अधिकार के अन्तराज के आवाहन पर कर	
vii.	किसी अन्य कानूनव्यवय विक्री पर कर	
viii.	उप संविद्यकर से छोड़ पर कई शर्यों कर की कटौती को घनराखि	
ix.	सम्बन्धित को शर्या	
x.	शर्या :	

अनुलानक - 11

समाधान धनराशि का विवरण :

क्रम संख्या	कर्तव्य चर्चित की प्रकृति	सर्विद्य संख्या एवं दिनांक	प्राप्त या प्राप्त होने वाली सकल धनराशि	अनुमन्य कटौती	समाधान योग्य धनराशि	समाधान की दर	समाधान राशि
I-							
II-							
III-							
IV-							
V-							
VI-							
VII-							
VIII-							

अनुलानक - 12

आईटी(एसी) का विवरण

क्रमसंख्या	विवरण	धनराशि
I-	गात वर्ष से अप्रेनित आईटी(एसी)	
II-	वर्ष के दौरान अवित आईटी(एसी)	(क) आईटी(एसी) की सकल धनराशि
		(ख) उत्क्रान्तिक आईटी(एसी) की धनराशि
		(स) शुद्ध अवित आईटी(एसी) की धनराशि (क-ख)
III-	सकल अनुमान्य आईटी(एसी) (I + II)	
IV-	चाल वर्ड के लिए देव कैन्ट्रीय बिल्डर के विरुद्ध समायोजित आईटी(एसी)	
V-	उपर्युक्त मूल्य संबोधित कर अधिनियम के अन्तर्गत चाल वर्ड के लिए देव कर के विरुद्ध समायोजित आईटी(एसी)	
VI-	उपर्युक्त व्यापार कर अधिनियम के अन्तर्गत बकाया के विरुद्ध समायोजित आईटी(एसी)	
VII-	अन्य देवों के विरुद्ध समायोजित आईटी(एसी)	
VIII-	धारा-15 (धारा 4) के अतिरिक्त के अन्तर्गत बापस आईटी(एसी)	
IX-	शेष (IV + V + VI + VII + VIII)	
X-	अवशेष आईटी(एसी)	
XI-	अगले वर्ष के लिए अप्रेनित आईटी(एसी)	

अनुलानक-13

स्रोत पर कटौती प्रमाण पत्र द्वारा जमा का विवरण

क्रमसंख्या	फार्म -31 की संख्या	स्रोत पर कटौती की धनराशि	माह का नाम	जमा धनराशि	जमा का दिनांक	बैंक का नाम	शाखा का नाम
1	2	3	4	5	6	7	8

अनुलानक-14

फार्म XXXIII-A में समायोजन का विवरण

क्रमसंख्या	माह जिसमें समायोजन किया गया	धनराशि	वर्ष जिससे समायोजन किया गया	फार्म XXXIII-A की आदेश संख्या व दिनांक
1	2	3	4	5

अनुलग्नक-15

कोशागार / बैंक में कर अवधि के विवरण के साथ जमा का विवरण

ब्रह्मसू	माह	धनराशि	दोजरी कालान संख्या	दिनांक	बैंक का नाम	शाखा का नाम
1	अप्रैल					
2	मई					
3	जून					
4	जुलाई					
5	अगस्त					
6	सितम्बर					
7	अक्टूबर					
8	नवम्बर					
9	दिसम्बर					
10	जनवरी					
11	फरवरी					
12	मार्च					
	यार्ग					

अनुलग्नक-16

कुल जमा का योग

ब्रह्मसू	विवरण	धनराशि
1		2
1	बैंक या कोशागार में सीधे जमा	3
2	सौन पर की गयी कटौती (फार्म XXXI)	
3	वापसी के समायोजन से जमा	
	योग	

अनुलग्नक-17

शुद्ध देय कर तथा मांग या वापसी :

अधिनियम का नाम	देय कर	समायोजित आई(टी)एसॉ	शुद्ध देय कर	जमा कर / समायोजित टी.डी.एस.	मांग / वापसी
1	2	3	4	5	6
उत्तमपूर्ण संवर्धित कर अधिनियम					

धोषणा

मैं पुत्र/पुत्री/पत्नी प्राप्तिकर्ता
 (अर्थात्- स्वामी, निदेशक, साक्षीदार जैसा कि नियम 32 (6) में दिया गया है), एतद्वारा धोषणा करता / करती हूँ एवं सत्यापित करता / करती हूँ कि इस विवरण पर मैं दिए गए विवरण एवं आँकड़े मेरी श्रेष्ठतम जानकारी एवं विवरण के अनुसार सही एवं पूर्ण है तथा जानबूझकर न तो कोई तथ्य छिपाया गया है और न ही मिथ्या प्रस्तुत किया गया है।

दिनांक : साक्षीदार/ स्वामी / कर्ता आदि का नाम और हस्ताख्य
 स्थान : प्राप्तिकर्ता

व्यवहारी का नाम :

- नोट : 1- उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम की धारा 32(6) में अधिकृत व्यक्ति द्वारा ही उपर्युक्त विवरण हस्तापित होना चाहिए।
 2- यदि किसी भ्राता या तालिका में उपलब्ध जगह पर्याप्त न हो तो सूचना निर्धारित प्रारूप में अलग शीट पर प्रस्तुत की जा सकती है।

अनुलग्नक- (क)प्रयुक्त प्रमाण पत्र प्रपत्र - XXXI का विवरण

क्रमांक	प्रमाण पत्र XXXI की संख्या	उप सचिवाकार का नाम एवं पता	उपसचिवाकार का टिन	अद्य की गयी स्थान धनराशि	झोत पर की गयी कटौती	झोत पर की गयी कटौती की जमा धनराशि	बैंक/कोषागार में जमा की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8

अनुलग्नक (ख)फार्म - XXXVIII का विवरण

क्रमांक	विक्रेता/प्रेषक का नाम की संख्या	फार्म - XXXVIII की संख्या	बौजक/बिल/धालान की संख्या व दिनांक	वस्तु का नाम	माल का मूल्य
1	2	3	4	5	6

अनुलग्नक (ग)फार्म - सी/एफ, जो लागू हो, का विवरण

क्रमांक	विक्रेता/प्रेषक का नाम की संख्या	फार्म - सी/फार्म एफ की संख्या	बौजक/बिल/धालान की संख्या व दिनांक	वस्तु का नाम	माल का मूल्य
1	2	3	4	5	6

आशा से,


 (बीरेश कुमार)
 ग्रमुख सचिव ।